डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 71 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 23 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

बूंदाबांदी के आसार, फिर आएगी कड़ाके की ठंड

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में आगामी दो–तीन दिन में हल्की बारिश होने का आसार है। इससे कड़ाके की ठंड फिर लौटकर आएगी। वैसे क्रिसमस के दिन बारिश की ज्यादा संभावना जताई गई है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्र के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के चलते 23 दिसंबर से बूंदाबांदी की संभावना है। साथ ही पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही हिस्सों में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। इसके चलते दिन और रात का तापमान 2 से 3 डिग्री तक बढ़ेगा, लेकिन सर्दी फिर से तेज हो जाएगी। रविवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री के आसपास बना हुआ था।

अवैध रिफिलिंग पर कार्रवाई: 44 एलपीजी गेस सिलेंडर पकड़े

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊमें अवैध तरीके से रसोई गेस के रिफिलिंग कारोबार की सूचना पर जिला आपूर्ति एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक दुकान से बड़ी मात्रा में गेस सिलेंडर जप्त किये है। इन घेरलू सिलेंडर का उपयोग अवैध रूप से वाहनों में रिफिलिंग के लिए किया जा रहा था। जिन पर कार्रवाई करते हुए टीम ने 44 गेस सिलेंडर जप्त किए है।

जानकारी अनुसार जिला आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने रविवार को सीतामऊके अरगड़ा बस्ती में छापा मारकर एक दुकान से अलग-अलग कंपनियों के करीब 44 रसोई गैस सिलिंडर पकड़े हैं। इनमें अधिकतर घरेलू सिलेंडर शामिल हैं। साथ ही दुकान पर अवैध रिफिलिंग का काम भी किया जा रहा था। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी रघुराज सिंह डोडिया ने बताया की रविवार को सीतामऊ अरगडा बस्ती में संचालित शाकिर पिता नूर मोहम्मद की दुकान से 44 गैस सिलेंडर जप्त किए है। दुकान के अंदर रखी हुई गैस रिफिलिंग मशीन सहित 19 भरे हुए ओर 25 खाली गैस सिलेंडर को टीम ने जप्त किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें अवैध गेस सिलेंडर की पहले भी शिकायत मिली थी। जिसके बाद आज यह कार्यवाही की गई है। यह भी जांच का विषय है की इतने सिलेंडर कौन सप्लाई करता है।

नीलगाय को लेकर गंभीर नहीं अधिकारी-जनप्रतिनिधि...

एक साल में 80 से ज्यादा हादसों का कारण बन चुके घोड़ारोज

वन विभाग ने दस साल में केवल 12 दुर्घटना बताई, जबकि बीते माह के अंतिम पांच दिन में हुई 3 दुर्घटनाए

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नीलगाय अर्थात रोजड़ो या घोड़ारोज की समस्या से किसान से लेकर वाहन चालक भी परेशान है। अब तक नीलगाय करोड़ो रुपए की फसलें बर्बाद कर चुकी है। विधानसभा में सडक हादसे और फसल बर्बादी के जो आंकड़े मंदसौर विधायक विपीन जैन के सवाल पर प्रस्तुत किए गए, वह बयां कर रहे हैं नीलगाय की परेशानी को लेकर अधिकारी-जनप्रतिनिधि कितने गंभीर है! फसल नुकसानी के बारे में बीते 10 साल में मात्र नौ प्रकरण बताए गए। सड़क हादसों के दस साल में केवल 12 प्रकरण बताए गए। यहां फिलहाल सड़क हादसो पर ही बात करें तो नवंबर माह के अंतिम सप्ताह के 05 दिन में ही नीलगायों के कारण तीन दुर्घटनाएं हुई। हकीकत यह है कि सालभर में यह आंकड़ा लगभग 80 के करीब रहा।

प्रशासन ने मंदसौर के सीतामऊ ब्लॉक में पायलट प्रोजेक्ट के तहत दिसंबर 2016 में बोमा सिस्टम चलाया था। 52 लाख के खर्चे में केवल 27 घोड़ारोज ही पकड़े जा सके थे। इनकी नसबंदी प्लान पर भी अमल नहीं हो पाया। राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर ने साल 2018 में जिले में घोड़ारोज की गणना भी की थी। इसके आंकड़े साल 2021 में घोषित किए गए थे। इनके मुताबिक जिले में 23 हजार 800 घोड़ारोज अर्थात नीलगाय पाई गई थी। अब 2024 तक इनकी संख्या 25 हजार के पार मानी जा रही है।

इनसे कुचड़ोद, सिहोर, सेमलियाकाजी, रेवास देवड़ा, हैदरवास, रातीखेड़ी, खजूरी, झावल, अफजलपुर, भावता, रणमाखेड़ी, बोलिया समेत जिले के 112 से अधिक गांव प्रभावित हैं। कुचड़ोद के महेश गुजरिया व ईश्वर मारू कहते हैं फसलों के बचाव के खासे जतन करना मजबूरी है।

पांच ब्लॉकों में 112 से ज्यादा गांव प्रभावित...

जिले के मंदसौर, मल्हारगढ़, सीतामऊ, गरोठ व भानपुरा ब्लॉक के 112 से ज्यादा गांव घोड़ारोज से प्रभावित हैं। इनका झुंड रबी, खरीफ सीजन के अलावा अफीम व अन्य खेती पर असर डालता है। फसलों पर लौटने, रौंदने जैसे मामले लगातार आते हैं। घोड़ारोज की औसत उम्र करीब 20 साल मानी जाती है। ये साल में 2 बार बच्चे को जन्म देते है।

इनका कहना...

विधानसभा में सड़क हादसों में मेरे सवाल के बाद जो आंकड़े दिए गए, हास्यास्पद है। नीलगायों के कारण किसानों की लाखों की फसलें बर्बाद हो चुकी है। सैकड़ों दुर्घटनाओं का कारण नीलगाय बन चुकी है। अगर इसी तरह चलता रहा तो सड़क हादसें होते रहेंगे और फसलें बर्बाद होती रहेगी। सरकार को इस समस्या को लेकर ठोस कदम उठाना चाहिए।

विपीन जैन, विधायक, मंदसौर

दुर्घटनाओं के कुछ मामले...

26 नवंबर –पिपलिया मंडी के गुड़भेली के आगे रामपुरा नप अध्यक्ष सीमा जागीरदार की कार के आगे घोड़ारोज आ गया। इससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। नप अध्यक्ष के मुंह, गर्दन पर चोट लगी। ड्राइवर व बच्ची भी घायल हुए।

29 नवंबर – महू-नीमच हाइवे वही पारसनाथ चौपाटी के पास घोड़ारोज की टक्कर से कार का संतुलन बिगड़ा और खाई में जा गिरी। घोड़ारोज की मौत हो गई।

30 नवंबर –सीतामऊ टोल के पास घोड़ारोज की टक्कर से कार सड़क से नीचे उतर गई। हालांकि यात्री सुरक्षित रहे।

जयपुर हादसे के बाद भी नहीं जाग रहे जिम्मेदार

नींद में आरटीओ, लंबी दूरी की बसों में न पीछे का दरवाजा और न स्पेशल विंडो

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में सबसे सुस्तीवाड़े में चल रहा है तो वह है परिवहन विभाग। पहले हादसों के बाद औपचारिकता तो निभाई जाती थी। लेकिन, अब तो वह भी बंद कर दी गई है। मामला बसों में दो दरवाजे और इमरजेंसी विंडो का है। यात्री बसों में आगे और पीछे की तरफ दरवाजा होना जरूरी है, साथ ही इमरजेंसी विंडो भी आवश्यक है। लेकिन, इस नियम का पालन सिर्फ छोटे रूट की बसों से करवाया जा रहा है। जबकि, लंबे रूट की स्लीपर बसों में पीछे की तरफ कोई दरवाजा नहीं होता। और तो और इमरजेंसी विंडो भी नहीं होती। अंदर से इन बसों की डिजाइन भी ऐसी होती है कि हादसा होने पर यात्रियों को बाहर निकलने की जगह तक नहीं मिलती। तीन दिन पहले राजस्थान के जयपुर में भीषण हादसा हुआ। एलपीजी कैप्सूल में ब्लास्ट के कारण पीछे आ रही बस इसकी चपेट में आ गई। इसमें बड़ी संख्या मेंयात्री जिंदा जल गए। हादसे की तस्वीरों से सामने आया है कि बस में पिछला दरवाजा नहीं था और इमरजेंसी विंडो भी नहीं थी। लेकिन, मंदसौर आरटीओ को इन हादसो की कोई चिंता नहीं है। उन्हें तो केवल एजेंटो से मिलने वाली उपरी कमाई की चिंता है। वे स्वयं भी टेक्सी पासिंग गाड़ी की बजाय निजी गाड़ी को अटेच कर शासन को चूना लगाने मे मशगूल है।

जयपुर हादसे के बाद हमने शहर से गुजरने वाली लंबी दूरी की बसों की

पड़ताल की तो सामने आया कि रतलाम रुट और जिले के ग्रामीण तहसील क्षेत्रों पर चलने वाली बसों में पिछला दरवाजा है। साथ ही इमरजेंसी विंडो भी है। लेकिन, शहर से गुजरने वाली कई स्लीपर बसों में ऐसी कोई व्यवस्था नजर नहीं आई। इन बसों में न तो पिछला दरवाजा होता है और न इमरजेंसी विंडो। इसके बावजूद यातायात और आरटीओ अमला इन बसों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। जब भी कहीं बस हादसा होता है तो बस संचालन के लिए विभिन्न मापदंड निर्धारित किए जाते हैं। लेकिन, उनका पालन कुछ दिन ही होता है, इसके बाद व्यवस्था फिर पुराने ढर्रे पर आ जाती है।

सेंधवा हादसे के बाद बसों में बने थे पिछले दरवाजे...

बसों में दो दरवाजों की कवायद सेंधवा में हुए अग्निकांड के बाद की गई थी। 21 अगस्त 2011 को सेंधवा में ड्राइवर, कंडक्टर, क्लीनर के बीच सवारी बैठाने को लेकर विवाद हुआ था। इसमें एक बस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई थी। इसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद प्रदेश सरकार द्वारा सभी बसों में पिछला दरवाजा और इमरजेंसी विंडो लगाने का आदेश जारी किया था। इसके बाद से बसों में दो दरवाजे बनाए जाने लगे।

12 फीट ऊंची बस के अंदर बना देते है कैबिन...

शहर से बड़े शहरों के लिए कई बसें गुजरती हैं। कुछ बसें चार्टर्ड तो कुछ स्लीपर क्लास की हैं। इन बसों की ऊंचाई करीब 12 फीट होती है। इन बसों में यात्रियों के प्रवेश के लिए बस के आगे एक ही गेट होता है। ड्राइवर के कैबिन से होकर यात्रियों को अंदर प्रवेश करना होता है। इसके अंदर डबल डेकर की तरह ऊपर और नीचे की तरफ स्लीपर सीट होती है। यह कैबिन की तरह होती है। दोनों तरफ कैबिन होने के कारण बीच में मात्र डेढ़ फीट का गलियारा बचता है। वहीं लंबी दूरी की बसों की छतों पर वजनी सामान लोड रहता है।

मालवी की पहली रोमांटिक फिल्म 'थारो म्हारो प्रेम' की शूटिंग आदर्श गांव बालागुड़ा में होगी

महाकाल लोक जैसी सांस्कृतिक, धार्मिक धरोहरों पर भी होगी शूटिंग

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मालवी की पहली रोमांटिक फिल्म 'थारो म्हारो प्रेम' की शूटिंग उज्जैन, इंदौर, मंदसौर, धार, रतलाम, नीमच के ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों पर की जाएगी। फिल्म में मालवा के स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ मालवा के बॉलीवुड में स्थापित कलाकारों को भी शामिल किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग के लिए गांव की पृष्ठभूमि के लिए मंदसौर के आदर्श गांव बालागुड़ा का चयन किया गया है। फिल्म के गानों का फिल्मांकन उज्जैन महाकाल लोक एवं यहां की सांस्कृतिक, धार्मिक धरोहरों पर किया जाएगा। इस मालवी फिल्म में बॉलीवुड के प्रख्यात सिंगर के गाने रिकॉर्ड किए जाएंगे।

मालवा के प्रमुख लोक कवि की रचनाओं को इस फिल्म में प्रमुखता से शामिल किया गया है। फिल्म में कई गाने हैं। स्वर्गीय भावसार बा द्वारा लिखित, स्वर्गीय मदन लाल जोशी भागवत आचार्य द्वारा लिखित, आगर मालवा की लोक गायिका स्वर कोकिला की उपाधि से सम्मानित पुखराज पांडे जी, मंदसौर की लोक गायिका श्रीमती सुगंध देवी गंधर्व जी, संजा के गीतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए, देश-विदेश में मालवी बोली को प्रचार करने के लिए श्रीमती माया देवी नारायणी बदेका मालवेंद्र जी का बहुत बड़ा योगदान है।

मालवी बोली को बोलचाल की भाषा में लाने का सिनेमा के माध्यम से लोगों को जोड़ना एक सार्थक कदम होगा। मालवी बोली संस्कृति को जन जन तक पहुंचाना, म्हारी मालवीय, म्हारो अभिमान, मालवी बोली को आज का युवा बोलने में सम्मान महसूस करें और पूरी दुनिया में हमारी बोली का प्रचार हो, यही फिल्म बनाने का उद्देश्य है। मालवा में फिल्म सिटी स्थापित करने की और मालवा क्षेत्र के युवाओं को क्षेत्रीय फिल्म निर्माण में रोजगार की शुरुआत होगी होगी। थारो म्हारो प्रेम के निर्माता निर्देशक राजेंद्र राठौड़ मालवा क्षेत्र के सैलाना के रहने वाले हैं। वे 50 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बना चुके हैं। अगस्त माह में उनके द्वारा निर्देशित फिल्म कुंवारापुर प्रदेश के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी सफलतापूर्वक प्रदर्शित की गई है।

आईजी ने ली पुलिस अधिकारियों की बैठक, जिले को समझा

कोई भी पुलिस वाला ट्रेप हुआ तो थाना प्रभारी पर होगी कार्यवाही

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन रेंज के आईजी श्री उमेश जोगा रविवार को मंदसौर आए। यहां उन्होंने जिले के पुलिस अधिकारियो से परिचय बैठक लेकर क्राईम की स्थिति को समझा और दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जिले की भौगोलिक स्थिति को भी जाना। बैठक में पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद, एएसपी श्री गौतम सौलंकी, ग्रामीण एएसपी हेमलता कुरील सहित जिले के सभी थानो के टीआई और एसडीओपी उपस्थित रहे।

आईजी ने स्पष्ट किया कि लोकायुक्त या किसी भी एजेंसी द्वारा ट्रेप में पकड़ाए पुलिस कर्मचारी अधिकारी के मामले में संबंधित थाना प्रभारी पर भी विभागीय कार्यवाही होगी। इसलिए अपने मातहतो पर पूरी निगाह रखें। उन्होंने बेसिक पुलिसिंग पर जोर देते हुए सामुदायिक पुलिसिंग करने के निर्देश दिए। कोई भी घटना होती है तो तत्काल पहुंचकर फिंगर प्रिंट लेने सहित जरुरी कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाईन के मामलो में संबंधित से चर्चा कर संतुष्टीपूर्वक निराकरण करें। बता दें कि श्री जोगा की आईजी बनने के बाद रतलाम डीआईजी रेंज के सभी जिलो के दौरे पर है। रविवार को सबसे पहले उन्होंने रतलाम और फिर मंदसौर जिले के अधिकारियो की बैठक ली। जिसके बाद शाम को वे नीमच के लिए प्रस्थान कर गए।

चायना लहसून से गिरे देशी लहसून के भाव

किसान परेशान और निराश, चायना लहसून से स्वास्थ्य को भी नुकसान

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। चायना की लहसून का मामला वर्तमान में गरमाया हुआ है। मुद्दे को मंदसौर विधायक विपीन जैन ने भी विधानसभा में उठाया है। नेपाल समेत विभिन्न देशों से भारत में आयात हो रहे लहसून के कारण मंदसौर के अलावा रतलाम और नीमच की स्थानीय मंडियों में देसी लहसून के भाव तेजी से गिर रहे हैं। जो सुपर क्वालिटी लहसून कुछ समय पहले 35 हजार रुपए क्विंटल तक बिक रहा था वो 21 दिसंबर को 27 हजार 700 हजार रुपए के आसपास बिका। देसी लहसून के मीडियम भाव 15-20 हजार रुपए क्विंटल हैं। किसान इस बात से परेशान हैं कि 15-20 दिन में ऊटी प्रजाति का नया लहसन आने वाला है और यही हाल रहा तो लागत निकलना भी मुश्किल हो जाएगा।

किसानों का कहना है कि पिछले साल भाव अच्छे थे। इसे देख किसानों ने ज्यादा रकबे में लहसून लगाया। तब किसानों को उम्मीद नहीं थी कि विदेशों से इतनी तादाद में आयात होगा। इस साल चीनी लहसून को अफगानिस्तान या अन्य देशों का मार्का लगाकर भारत में लाया जा रहा है। जावरा में चार दिन पहले ही दो ट्रक चाइना लहसून पकड़ा था, जिसमें अफगानिस्तान का मार्का लगा था। लहसून व्यापारियों के अनुसार चाइना लहसून तमिलनाडु, कर्नाटक समेत दूसरे राज्यों में सस्ता बिक रहा है। इन राज्यों में हमारी मंडियों से लहसून जाता है। इससे हमारे लहसून की डिमांड व भाव में कमी हो रही है। हालांकि यहां की मंडियों से अन्य राज्यों में लहसून जा रहा है। लेकिन, तेजी से भाव गिर रहे हैं। इसलिए बाहर के व्यापारी ज्यादा लेवाली भी नहीं कर रहे।

ऐसे तो लागत ही मिलेगी...

किसान नेता रामनारायण शर्मा, राजेश धाकड़, दिलीप पोरवाल का कहना है कि ऊटी लहसून अगस्त-सितंबर में ही लगा दिया गया था। इसका उच्च क्वालिटी बीज 55 हजार रुपए

क्विंटल खरीदा। जबकि, देसी लहसून 35 से 40 हजार रुपए में मिला। एक बीघा में दो क्विंटल से अधिक लहसून बीज लगा। हंकाई-जुताई, कलियां रोपने से लेकर दवाई में 40 से 50 हजार रुपए की लागत आई। इस मान से प्रति बीघा ऊटी लहसून में डेढ़ लाख से ज्यादा खर्च हुआ है। बारिश से पौधे खराब हो गए। ठंड देर से शुरू हुई। यही कारण है जो उत्पादन 18-20 क्विंटल बीघा होना चाहिए वो 10 से 12 क्विंटल ही होगा। ऐसे में नई ऊटी लहसून के भाव 12 से 15 हजार ही मिले तो लागत ही निकल पाएगी। मुनाफा व मेहनत नहीं। इसलिए किसान विदेशी लहसून का विरोध कर रहे हैं।

बता दें कि मंदसौर मंडी में 15 दिनों में दाम करीब 4 हजार रुपए तक कम हो गए हैं। रतलाम में 10 दिन में ही लहसून के भाव 10 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक कम हो गए हैं। पहले लहसून 30 से 35 हजार रुपए प्रति क्विंटल बिक रहा था। अब 20 से 25 हजार रुपए प्रति क्विंटल है। पिछले महीने व्यापारियों और किसानों ने विरोध में मंडी बंद रखी। सांसद, विधायक सहित जनप्रतिनिधियों ने शासन को चाइना लहसून पर पूर्ण प्रतिबंध के लिए पत्र लिखे हैं। मंदसौर विधायक विपिन जैन ने शुक्रवार को ही इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया।

इनका कहना...

चायना की लहसून अफगानिस्तान के माध्यम से आ रही है। सरकार के सानिध्य में यह लहसून पहुंच रही है। इसलिए अधिकारी इसे नहीं पकड़ सकते। सरकार को इसे रोकना चाहिए। देसी लहसून के भाव गिर रहे हैं। अगर बाहर की लहसून को लेकर सरकार ने निर्णय नहीं लिया तो देसी लहसून के भाव और ज्यादा गिरना तय है। यह मामला मैने विधानसभा में भी उठाया है।

विपीन जैन, विधायक, मंदसौर

पीजी कॉलेज प्राचार्य ने लगाया अभाविप नेताओं पर कार्य में व्यवधान करने का आरोप

छात्रा द्वारा दर्ज कराए प्रकरण से बचने की कवायद..?

मंदसौर, 21 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस पीजी कॉलेज के प्राचार्य राजकुमार वर्मा ने अभाविप के छात्र नेताओ पर कार्य में व्यवधान का आरोप लगाते हुए कुछ छात्रो व छात्र नेताओ पर कार्यवाही के लिए वायडी नगर थाने को आवेदन भेजा है। जिसकी प्रति पुलिस कप्तान को भी भेजी गई है। इधर अंदरखाने की बात पर भरोसा करे तो यह आवेदन एक छात्रा द्वारा प्राचार्य पर लगाए गए गंभीर आरोपो पर दर्ज एफआईआर से बचने की कवायद मानी जा रही है।

बता दें कि प्राचार्य श्री वर्मा पर कालेज की छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्राओं ने कहा कि प्राचार्य आरके वर्मा उनसे जींस-टॉप पहनकर आने और साथ में रील्स बनाने के लिए कहते हैं। वे गीता पढ़ने से भी रोकते हैं। कॉलेज की एक छात्रा ने प्राचार्य के खिलाफ थाने में एफआईआर भी कराई है। इसे लेकर शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी के नेतृत्व में छात्रों ने प्रदर्शन कर प्राचार्य का पुतला फूंका था। उन्होंने हाईवे पर करीब तीन घंटे तक चक्काजाम किया था। बाद में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियो के

समझाने पर वह माने थे। अभाविप से जुड़े छात्रो ने आरोप लगाया था कि लीड कॉलेज के प्राचार्य अपनी मर्यादा भूल गए हैं। छात्राओं से नृत्य करवाना चाहते हैं। वे हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथ गीता को पढने के लिए मना करते हैं।

उसी दिन देर शाम पीजी कालेज के प्राचार्य श्री वर्मा ने एक आवेदन वायडी नगर थाने को भेजकर कुछ छात्र नेताओ पर कार्यवाही के लिए लिखा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ छात्र नेता उनके चेंबर में आए थे और धमकी दी थी कि नरेश चंदवानी जैसा कहते है, वैसा करो नहीं तो बुरा होगा। बता दें कि श्री चंदवानी पीजी कालेज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष है। उनका प्राचार्य से क्या विवाद है, किसी को नहीं पता। प्राचार्य ने अपनी जाति की भी दुहाई देते हुए लिखा है कि वे वंचित वर्ग से है और मामले में एससीएसटी एक्ट की धाराओ के तहत एफआईआर दर्ज की जाए।

इस संबंध में प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी ने कहा कि अभाविप व प्राचार्य के बीच क्या विवाद है, इसकी जानकारी मुझे नहीं थी। जब छात्रो ने आंदोलन किया तो प्रशासन ने मुझे बुलाया था, तब मैं मौके पर पहुंचा था। पूरे मामले को समझकर मैंने छात्रो को समझाया था। थाना यशोधर्मन पुलिस के मुताबिक पीजी कालेज प्राचार्य के आवेदन पर जांच चल रही है।

विचार-मंथन

डॉलर के सामने पस्त हुआ रुपया

डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत गिर कर पचासी से अधिक हो गई। यह अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अपनी नीतियों में बदलाव की वजह से ऐसा हुआ है। कोरोना के बाद दुनिया के तमाम देश मंदी की चपेट में आ गए थे। उससे उबरने के लिए सभी ने अपने-अपने तरीके से उपाय किए। अमेरिकी फेडरल ने अपनी ब्याज दरों में कटौती कर उसे साढ़े चार फीसद पर ला दिया है। इस तरह डालर की स्थिति मजबूत हुई है। फिर, जब से राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की विजय हुई है, निवेशकों को लगने लगा है कि वहां निवेश करना सबसे फायदेमंद है। इसलिए बहुत सारे निवेशकों ने भारत से पैसे निकाल कर अमेरिका का रुख कर लिया। इससे विदेशी मुद्रा भंडार में भी छीजन दर्ज शुरू हो गई। पिछले कुछ समय तक डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट लगभग रुकी हुई थी, तब विशेषज्ञों ने कहना शुरू कर दिया कि सरकार विदेशी मुद्रा भंडार से डालर की निकासी करके रुपए की कीमत को रोक रखा है। मगर अब वह तरीका भी शायद काम नहीं आ रहा। डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट का असर व्यापार, पर्यटन, शिक्षा आदि पर पड़ता है। भारत अपनी जरूरत का अधिकतर ईंधन तेल दूसरे देशों से खरीदता है। ऐसे में जब भी कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है, तो सरकार का खर्च बढ़ जाता है। इसके अलावा, दवाइयों के लिए कच्चा माल, खाद्य तेल, इलेक्ट्रानिक साजो-सामान आदि के लिए भी हम दूसरे देशों पर निर्भर हैं। विदेश पढ़ने गए विद्यार्थियों और पर्यटकों की जेब पर बोझ बढ़ जाता है। इसलिए रुपए की कीमत का गिरना चिंताजनक होता है। रुपए की कीमत गिरने की कुछ वजहें साफ हैं। व्यापार घाटा बढ़ता है, तो डालर के मुकाबले रुपए की कीमत घट जाती है। हालांकि वर्षों से निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, घरेलू बाजार और स्वदेशी को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है, मगर हकीकत यह है कि निर्यात में लगातार कमी देखी जा रही है। व्यापार घाटा पाटने के लिए कई विदेशी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने और देसी वस्तुओं को प्रश्रय देने की कोशिश की गई, इसका कुछ असर भी हुआ। मगर फिर भी व्यापार घाटा कम नहीं हो पा रहा। खासकर चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। महंगाई पर काबू पाने के मकसद से रिजर्व बैंक ने लगातार रेपो दर को ऊंचा बनाए रखा है, मगर स्थिति यह है कि बाजार में पूंजी का अपेक्षित प्रवाह नहीं बन पा रहा। इसकी बड़ी वजह लोगों की आय में बढ़ोतरी न हो पाना है। इन स्थितियों का असर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर पड़ता है। जैसे ही बाहरी निवेशकों को लगने लगता है कि किसी देश में उपभोक्ता व्यय घट रहा है, तो वे वहां निवेश करने से बचते हैं। पिछले कुछ समय से हमारी विकास दर और उसमें विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसे में डालर की आवक कम हुई है। इस स्थिति में रुपए की कीमत घटनी शुरू हो जाती है। भारत में यह सिलसिला लगातार बना हुआ है। इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बढ़नी स्वाभाविक है। सरकार अर्थव्यवस्था को पांच लाख करोड़ डालर तक ले जाने को संकल्पित है, मगर रुपए की गिरावट का रुख देखते हुए इसका भरोसा नहीं बन पाता।

इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर रार...

योगेंद्र योगी

सूत न कपास, जुलाहों में लठ्ठम लठ। इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों की हालत कुछ ऐसी हो गई है। भाजपा गठबंधन से मुकाबला करने में विफल रहे विपक्षी दल के नेता नेतृत्व की कलह से जूझ रहे हैं। भाजपा से बुरी तरह शिकस्त खाने और राजनीतिक धरातल पर हैसियत को स्वीकार किए बगैर विपक्षी नेता गठबंधन के नेतृत्व के जरिए भविष्य का प्रधानमंत्री बनने का सपना पाले हुए हैं। इन दलों का आधार बेशक एक राज्य से ज्यादा नहीं हो, किन्तु देश को नेतृत्व देने की आपसी होड़ में पीछे नहीं है। विपक्षी दलों के पास भाजपा से मुकाबला करने के लिए कोई एजेंडा तक नहीं है। लोकसभा चुनाव और हाल ही हुए उपचुनावों में इंडिया गठबंधन के दल आपस में ही मुकाबला करते रहे। विपक्षी दलों का ख्वाब है कि जिसके हाथ में नेतृत्व की कमान होगी, उसी के हाथ में देश की बागडोर होगी। ठोस रणनीति के अभाव में यह दिन में ख्वाब देखने जैसा है। इंडिया गठबंधन के दलों में आपस में ही नेतृत्व की होड़ मची हुई है। भाजपा के खिलाफ कोरी बयानबाजी से विपक्षी दलों के नेता बयानवीर साबित हो रहे हैं। लोकसभा और उससे पहले विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। विपक्षी दलों ने चुनाव जीतने के लालच में गठबंधन की धज्जियां उड़ाने में कसर बाकी नहीं रखी। गठबंधन की हालत उसे घोड़ागाड़ी जैसी हो गई जिसके घोड़े को हर घुड़सवार अपने हिसाब से हांकना चाहता है। ऐसे में यह गठबंधन देश को नेतृत्व देने के मामले में आगे बढ़ने के बजाए पीछे खिसकता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को चारों खाने चित कर दिया। इंडिया गठबंधन में नेतृत्व का मसला पहले भी कई बार उठ चुका है। गठबंधन का हर घटक दल नेतृत्व का दावा जताता रहा है। हास्यादपद यह है कि दावा जताने वाले अपने प्रभाव वाले राज्य में भी भाजपा को हराने में कामयाब नहीं हो सके। इस बार नेतृत्व की दुदंभी तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से बजाई गई है। ममता बनर्जी ने हालिया चुनावों और उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर की और कहा कि वह इसकी कमान संभालने को तैयार है। ममता ने हालिया हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक के खराब प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर किया है और संकेत दिया कि अगर मौका मिला तो वह इंडिया ब्लॉक की कमान संभालने के लिए तैयार है। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है। अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। ममता के इस बयान के बाद अन्य विपक्षी दलों के नेताओं की अतृप्त इच्छा में उबाल आ गया। गठबंधन के दल के नेता अब नेतृत्व का दावा ठोक रहे हैं। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि ममता बनर्जी को ऐसा लगता है पर हमें ऐसा नहीं लगता। इस पर चर्चा करेंगे। उनके कहने से उनकी पार्टी चलती है। हम तो कांग्रेस के कहने से चलते हैं, वहीं कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि ममता जी बड़ी नेता हैं लेकिन राहुल गांधी के अलावा देश में कोई नेतृत्व करने की स्थिति में नहीं है। लेफ्ट नेता डी राजा ने कहा कि कांग्रेस को आत्मचिंतन करने की जरूरत है। हालात इंडिया ब्लॉक की मीटिंग की मांग करते हैं। कांग्रेस ने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन सहयोगियों को समायोजित नहीं किया। अगर कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक सहयोगियों की बात सुनी होती तो लोकसभा और हरियाणा-महाराष्ट्र में नतीजे अलग होते। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा कि हमें ममता बनर्जी की राय पता है। हम चाहते हैं कि ममता हमारे साथ रहें। हम सभी एक साथ हैं। अगर कोई मतभेद भी हैं तो वो छोटे मोटे हैं। हम कोलकाता जाकर ममता बनर्जी से बात करेंगे। सपा प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने कहा कि अगर ममता जी ने कोई इच्छा जाहिर की है तो इंडिया ब्लॉक नेता उस पर विचार करके उनका सहयोग लें। इससे इंडिया गठबंधन मजबूत होगा। नेतृत्व को लेकर मचे इस घमासान में लालू यादव की पार्टी कैसे पीछे रह सकती है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने भी ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन का नेता बनाने की मांग कर दी। लालू ने कहा कि कांग्रेस की आपत्ति का कोई मतलब नहीं है। हम ममता का समर्थन करेंगे। ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व दिया जाना चाहिए। लालू यादव का यह बयान कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि लालू यादव लंबे समय से कांग्रेस के पुराने साथी रहे हैं। लालू यादव की यह मांग कांग्रेस के लिए मुसीबत बन सकती है। गठबंधन में शामिल कुछ दल पहले से ही ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन की कमान सौंपने की वकालत कर चुके हैं। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बीजेपी के खिलाफ विपक्षी गठबंधन के असली आर्किटेक्ट लालू प्रसाद यादव हैं। उनकी पहल पर ही पटना में इंडिया गठबंधन की पहली बैठक हुई थी। इस बैठक में ममता बनर्जी भी शामिल हुई थी। सभी अपने-अपने राज्यों में बीजेपी के खिलाफ लड़ाई में जुटे हुए हैं। अभी झारखंड में हमें सफलता मिली है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के खिलाफ ममता बनर्जी मजबूती से लड़ाई लड़ती हैं। अब 2025 में बिहार की बारी है। बीजेपी के खिलाफ हमारा गठबंधन पूरी तरह एकजुट है। गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन को नेतृत्व देने की रस्साकसी में जुटे विपक्षी दलों के नेताओं में लोकसभा चुनाव से पूर्व हुई बैठकों में घोषणा पत्र को लेकर एकराय कायम नहीं हो सकी। घटक दल चुनावों में सीटों के वितरण को लेकर भी मतभेद का शिकार रहे। इनकी आपसी फूट का फायदा भाजपा को मिला। भाजपा गठबंधन तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने में कामयाब रहा। ममता बनर्जी का यह कहना कि वे बंगाल से बाहर नहीं जा सकती, ऐसे में चुनाव के दौरान देशभर में रैलियां और सभाओं की जिम्मेदारी कैसे निभा पाएंगी। यदि गठबंधन के दल ममता को नेता मान भी लें तो फिर वही यक्ष प्रश्न सीटों के बटवारे और राष्ट्रीय स्तर पर घोषणा पत्र को लेकर फिर से खड़ा होगा। भाजपा विपक्षी गठबंधन पर मुस्लिम प्रेम और भ्रष्टाचार को लेकर हावी रही है। काफी हद तक भाजपा के लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव में सफलता पाने की भी यही प्रमुख वजह मानी जाती है। इसके विपरीत इंडिया गठबंधन के सदस्य इन दोनों मुद्दों पर या तो खामोश रहे या फिर बंटे हुए नजर आए।

खुद को श्रेष्ठ समझें, पर घमंड से दूर रहें...

चंदन कुमार चौधरी

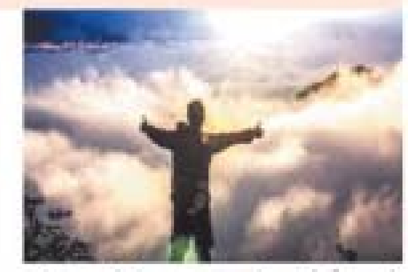

लोगों में एक आम धारणा है कि प्यासा, कुएं के पास जाता है। कुआं कभी प्यासे तक नहीं जाता। यानी अगर कोई जरूरतमंद है तो मदद उसे ही मांगनी पड़ेगी। मदद देने वाला व्यक्ति उसे मदद देने नहीं आएगा। कई बार ऐसा होता है कि मदद करने वाला व्यक्ति भी खुद प्रस्ताव देता है कि मैं सहायता कर देता हूं, लेकिन ऐसा अमूमन कम ही देखने को मिलता है। ऐसे में जिस व्यक्ति को मदद की जरूरत होती है, उसे ही सामने वाले से सहायता मांगनी चाहिए। कई बार समाज में यह भी देखने को मिलता है कि जिस व्यक्ति को सहायता की जरूरत होती है, वह मदद नहीं मांगता है, बल्कि वह उम्मीद करता है कि कोई व्यक्ति खुद आकर उसकी सहायता करे। कुछ अंतर्मुखी और संकोची लोगों को छोड़ दिया जाए तो आमतौर पर देखा गया है कि इस तरह की सोच की वजह खुद को श्रेष्ठ समझना या घमंड होती है। उसे लगता है कि सहायता मांगने से उसकी तौहीन हो जाएगी। उसके बड़प्पन पर दाग लग जाएगी। ऐसे में वह मदद कैसे मांग सकता है? वह समझता है कि यह सामने वाले का कर्तव्य है कि वह खुद आकर यह प्रस्ताव पेश करे कि आपको जरूरत है और मैं सहायता करता हूं। जब ऐसा नहीं हो पाता है, तो अपने को श्रेष्ठ समझने वाले इंसान को नुकसान उठाना पड़ता है। उसे भले ही नुकसान उठाना पड़ जाए, परेशानी झेलनी पड़ जाए, लेकिन वह फिर भी सहायता मांगने नहीं जाता। मांगने को वह अपना स्वभाव नहीं मानता। इसमें उसको अपनी प्रतिष्ठा दांव लगी दिखती है। क्या इस तरह अभिमान से ग्रस्त लोग ऐसा करके अपना भला करते हैं? कुछ लोग कहते हैं कि घमंड और अकड़ सिर्फ 'मृत शरीर' में हो सकती है। जिंदा इंसान में कभी घमंड नहीं हो सकता। अगर उसमें घमंड है तो समझना चाहिए कि वह इंसान नहीं है। हालांकि यह तथ्य है कि मृत शरीर में जान नहीं होती, इसलिए जीवित व्यक्ति के भीतर घमंड की तुलना मृत शरीर की प्रकृति से नहीं की जा सकती। ऐसा लगता है कि श्रेष्ठता के भाव के कारण लोगों में दंभ का अंकुर अब धीरे-धीरे विशाल पेड़ बन रहा है। यह समाज की एक जटिल समस्या बनती गई है और ज्यादातर लोग इसके असर में आ रहे हैं। इसका कई स्तर पर नुकसान होता है, मगर लोग इस भाव से अलग नहीं होना चाहते और इससे चिपके रहना पसंद करते हैं। ऐसा लगता है जैसे वर्तमान समय में समाज में कई लोग अहंकार के रथ पर सवार हैं। कोई इस रथ से उतरना ही नहीं चाहता। लोगों को लगता है कि वह सामने वाले से ज्यादा अमीर और प्रतिभाशाली है। साथ ही, उसकी उपलब्धि सामने वाले से कहीं अधिक है। यह संभव हो सकता है कि मगर अभिमान के कारण स्वाभाविक रूप से समाज में ईर्ष्या का प्रादुर्भाव शुरू होता है और लोग एक-दूसरे की तरक्की देख कर जलने लगते हैं, दूसरे को नीचे गिराने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार दिखते हैं। शायद यही वजह है कि समाज में आए दिन कई तरह की समस्याएं पनप रही हैं और यह एक-दूसरे से जुड़ी हुई लगती हैं। हालांकि इस तरह के दंभ से किसी को कुछ हासिल नहीं होता। ऐसे में विचार करने वाली बात यह है कि फिर भी यह इतना पल्लवित-पुष्पित क्यों हो रहा है? आखिर समाज में यह अभिमान इतना पांव क्यों पसार रहा है? वसुधैव कुटुंबकम् वाले भारत वर्ष में लोगों के मन में इतनी संकीर्णता कहां से आ रही है? तरक्की अपने साथ कई तरह की समस्याएं भी साथ लाती हैं। तो क्या यह उसका परिणाम है? यह समझना मुश्किल है कि सामाजिक समरसता कहां समाप्त होती जा रही है? यह एक मनोविज्ञान है कि लोगों में अक्सर घमंड श्रेष्ठता के भाव से शुरू होता है। यही श्रेष्ठता की ग्रंथि लोगों को एक-दूसरे से दूर करने लगती है। फिर धीरे-धीरे लोगों के मन में ईर्ष्या पनपने लगती है, लोग दूसरे लोगों को दुख-तकलीफ, समस्या में देख कर खुश होने लगते हैं। पता नहीं, समाज में ऐसा कौन-सा जहर अपनी जगह बना रहा रहा है, जिसके कारण लोगों को दूसरे को दुख-तकलीफ और समस्या में देख कर आनंद की अनुभूति होती है। यह कुंठा नहीं तो और क्या है? अक्सर लोग सफाई पेश करने के तौर पर अभिमान को स्वाभिमान की भावना से जोड़ देते हैं जो कहीं से भी सही प्रतीत नहीं होती। यह एक तरह का घालमेल है, जिसमें स्वाभिमान के नाम पर दंभ से लैस अभिमान को छिपाने की एक विफल कोशिश की जाती है। गर्व और घमंड शब्द आमतौर पर एक जैसा ही दिखाई जरूर देता है. हालांकि ये शब्द करीब एक जैसे होकर भी भाव में काफी अंतर रखते हैं। गर्व को जहां हम लोग सकारात्मक तरीके से लेते हैं, वहीं घमंड को नकारात्मक तरीके से। ऐसे में हमें घमंड को किसी भी परिस्थिति में अपने भीतर जगह नहीं देना चाहिए। यह याद रखने की जरूरत है कि घमंड से इंसान का कभी भी भला नहीं हुआ है। अगर कोई व्यक्ति सक्षम होने की वजह से कभी अभिमान के भाव से भर जाता है तो एक अच्छे नागरिक होने के कारण सहज व्यक्ति को यह प्रयास करना चाहिए कि उसे इस संजाल से बचाए। दरअसल, घमंड एक तरीके का रोग है। इससे जितना दूर रहा जाए मनुष्य के लिए उतना ही अच्छा। इससे मनुष्य और मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी।

जब आंबेडकर को चुनाव हराने के लिए नेहरू ने लगा दिया था जी-जान

26 जनवरी 1950 को भारत एक प्रजातांत्रिक देश बन जाएगा। उस दिन से भारत की जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए बनी एक सरकार होगी। क्या भारत अपने प्रजातांत्रिक संविधान को बनाए रखेगा या फिर खो देगा? मेरे मन में आने वाला यह दूसरा विचार है और यह भी पहले विचार जितना चिंताजनक है। 13 फरवरी 2023 अंग्रेजी अखबार द हिंदू की एक खबर जिसका शीर्षक 'इंडियाज फर्स्ट लॉ मिनिस्टर डॉ. आंबेडकर रेजिगनेशन लेटर लॉस्ट फ्राम द रिकार्ड' यानी भारत के पहले कानून मंत्री डॉ. अम्बेडकर का इस्तीफा दस्तावेजों से गायब। वो इस्तीफा जो डॉ. आंबेडकर के विचारों की दृढ़ता का सबूत था। कहानी 14 और 15 अगस्त के दरमियानी रात को शुरू होती है। जब आधी दुनिया सो रही थी तो हिंदुस्तान अपनी नियती से मिलन कर रहा था। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का ट्रिस्ट विद डेस्टनी वाला भाषण भारत की स्वतंत्रता का पर्याय बना। देश आजाद हो चुका था और अब बारी थी कि देश की तकदीर देश के ही लोगों के हाथों तय करने की और जिसके लिए आम चुनाव जरूरी थे। इसी क्रम में संविधान बना। जिसका अंतिम पाठ होने के बाद संविधान सभा में डा. अंबेडकर ने अपने अंतिम भाषण में कहा था कि 26 जनवरी 1950 को भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र होगा। लेकिन उसकी स्वतंत्रता का भविष्य क्या है? क्या वह अपनी स्वतंत्रता बनाए रखेगा या उसे फिर से खो देगा? मेरे मन में आने वाला यह पहला विचार है? 26 जनवरी 1950 को भारत एक प्रजातांत्रिक देश बन जाएगा। उस दिन से भारत की जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए बनी एक सरकार होगी। क्या भारत अपने प्रजातांत्रिक संविधान को बनाए रखेगा या फिर खो देगा? मेरे मन में आने वाला यह दूसरा विचार है और यह भी पहले विचार जितना चिंताजनक है। 26 जनवरी 1950 से हम विरोधाभास से भरे जीवन में शामिल होने वाले हैं। राजनीतिक जीवन में तो समानता हमारे पास होगी। लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में नहीं। कहने का मतलब हाशिए पर रखे गए लोगों के लिए बराबरी की बात तो तय कर दिए गए थे। लेकिन समाज और पैसे के मामले में ये अभी भी दूर की बात थी। ऐसे ही हाशिए पर रहे एक वर्ग के लिए उन्होंने कुछ सुधार करनी की सोची। जब आजादी के बाद अंतरिम सरकार में वो कानून मंत्री बनाए गए। ये भारत की आजादी से कुछ हफ्ते पहले की बात है, पंडित जवाहरलाल नेहरू बीआर अम्बेडकर को कानून मंत्री के रूप में अपने नए मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं। कैबिनेट के अधिकांश अन्य सदस्यों के विपरीत, अम्बेडकर कांग्रेस पार्टी का हिस्सा नहीं थे और न ही वे उन मूल्यों को साझा करते थे जिनमें नेहरू और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अन्य वरिष्ठ नेता विश्वास करते थे। पहले कैबिनेट का हिस्सा होने के बावजूद, कांग्रेस के अधिकांश नेताओं के साथ अम्बेडकर के संबंध अपेक्षाकृत मजबूत आधार पर टिके थे। । इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने यहां तक ??आरोप लगाया था कि नेहरू-आंबेडकर के रिश्ते को अस्पष्ट बना दिया गया है। इसके बारे में कोई किताब नहीं है, न ही मेरी जानकारी में एक अच्छा विद्वत्तापूर्ण लेख भी है। रामचंद्र गुहा की किताब मेकर्स ऑफ माडर्न इंडिया के अनुसार 1940 के दशक में भारत के तब के कानून मंत्री आंबेडकर ने हिंदू पर्सनल लॉ में बदलाव की सोची, ताकी महिलाएं मर्जी से पति चुन सकें। तलाक ले सकें और पिता की संपत्ति में हक पा सकें। प्रधानमंत्री के तौर पर नेहरू ने भी इसका समर्थन किया। लेकिन इसमें आगे का काम रूढ़िवादी नेताओं के चलते रुकने लगा।

औरंगजेब के परिवार के लोग आज रिक्शा चला रहे हैं: सीएम योगी

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक-5455

			3	6	9			4
		9					5	
	2				4	7	1	
4	9	8						7
			1		7			
1						4	3	5
	8	1	6				4	
	5					3		
9			2	7	1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5454

5	4	2	8	1	3	6	7	9
8	7	9	2	6	4	1	5	3
1	6	3	9	5	7	4	2	8
7	3	1	5	9	6	2	8	4
4	5	8	7	3	2	9	1	6
2	9	6	1	4	8	5	3	7
6	1	4	3	7	5	8	9	2
3	8	5	4	2	9	7	6	1
9	2	7	6	8	1	3	4	5

वर्ग पहेली 5455

संकेत: बाएं से दाएं

1. 22 दिसंबर 1971 को इस भौतिक विज्ञानी और खगोल शास्त्री का निधन हुआ था (7)
6. हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में पाया जाने वाला जंगली बैल (2)
7. संगीत में स्वर का विस्तार (2)
8. [illegible], भूत-प्रेत बाधा (2)
10. जूती बनाने का एक उपकरण जिसे चर्मकार इस्तेमाल करते है (2)
11. यह देश सन् 1935 तक फारस देश के नाम से जाना जाता था (3)
12. मयूर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)
13. [illegible] (3)
16. गहन चिंतन करने या अध्ययन करने का भाव (3)
18. ध्वनि को सुरक्षित रखने का यंत्र रिकॉर्ड (4)
21. डोलना, हिलना, विचलित होना (3)
23. न्यायाधीश (2)
24. एक राजनैतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (3)
25. जलाशय, सरोवर (3)
26. महाराष्ट्र की गोदावरी नदी के तट पर बसा एक शहर जिसके समीप पंचवटी वन स्थित है (3)

ऊपर से नीचे

1. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ नाम), मोहकारिणी शक्ति (2)
2. वचन, प्रतिज्ञा (4)
3. कोमल कांड, सुंदर स्त्री (2)
4. प्रशंसक, पंखा, [illegible] (2)
5. वामहस्ती, बायें हाथ से काम करने वाला व्यक्ति (3)
9. भर्त्सना, धिक्कार, लताड़ (3)
11. एक पौराणिक भक्त राजा का नाम जिसने श्रीकृष्ण की बात मान अपना शरीर आरे से चिरवाया था (4)
14. [illegible] (5)
15. 1975 की सुपर-डुपर हिट फिल्म जिसके निर्देशक रमेश सिप्पी थे (2)
17. बहुमूल्य रत्न, [illegible] (2)
19. अनवरत, निरंतर (3)
20. भूरा, क्षीण, बिगड़ा हुआ (3)
22. नाम धारण करने वाला, नाम वाला (3)

वर्ग पहेली 5454 का हल

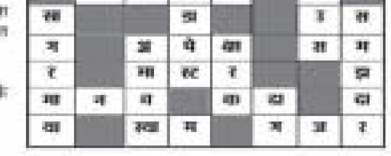

प्रसार कार्यशाला का आयोजन आज

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन द्वारा बताया गया कि, सुशासन सप्ताह अंतर्गत 23 दिसम्बर को प्रात: 10:30 बजे कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम, मन्दसौर में एक दिवसीय प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया गया है। प्रत्येक वर्ष 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी भारत सरकार द्वारा 19 से 24 दिसम्बर 2024 तक सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा है। सुशासन सप्ताह अंतर्गत 'प्रशासन गांव की ओर चलाया जा रहा है एवं जन समस्याओं का निराकरण किया जाकर अधिक से अधिक व्यक्तियों को सेवाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

आर्य समाज में मनाया गणित दिवस

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज मंदिर मंदसौर में रविवार सुबह 9 बजे में हवन किया गया। हवन के पश्चात श्री रविंद्र शर्मा द्वारा सत्यार्थ प्रकाश का वाचन किया।साथ ही सुश्री सुधा कर्मी व प्रिंस विद्यार्थी द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर गणित दिवस के उपलक्ष में श्रीनिवास रामानुज जी द्वारा वैदिक गणित के आधार पर उनके विशिष्ट उपलब्धियों की चर्चा की गई और वैदिक गणित के माध्यम से जो 16 वर्ष में पढाई के बाद में शिक्षा प्राप्त होती है वह केवल 16 महीने के परिश्रम से ही वह ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है जो वेदों पर आधारित गणित है। आर्य समाज प्रधान श्री मधुसूदन आर्य ने बताया कि राष्ट्रीय गणित दिवस, महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की याद में मनाया जाता है। भारत सरकार ने 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणित दिवस घोषित किया है. रामानुजन का जन्म 22 दिसंबर, 1887 को मद्रास प्रेसीडेंसी के इरोड में हुआ था. उनका निधन 26 अप्रैल, 1920 को 32 साल की उम्र में हो गया था। आर्य समाज द्वारा वैदिक गणित से युवाओं को जोड़ने के लिए यह आयोजन किया गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र, गण्यमान्य नागरिक व आर्य समाज जन उपस्थित थे।

भू-अधिकार योजना में पट्टे दिलाने की मांग लेकर प्रदेश प्रवक्ता सिसोदिया के पास पहुंचे दलौदा वासी...

जल संसाधन विभाग ने ग्राम पंचायत विभाग के सुपुर्द कर दी भूमि, फिर भी ग्रामीणों को नही मिला लाभ

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दलौदा चौपाटी पर गौतम नगर में निवासरत करीब डेढ सौ परिवार भू-अधिकार योजना के तहत पट्टे दिलाये जाने की मांग लेकर प्रदेश भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया के पास पहुंचे और योजना का लाभ दिलाए जाने की मांग की। सिसोदिया ने उन्हें आश्वस्त किया कि वार्डवासियो को उनका अधिकार जरूर मिलेगा।

गौतम नगर के रहवासियों द्वारा प्रदेश भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया को सौपे ज्ञापन में कहा गया कि ग्राम पंचायत दलौदा चौपाटी के अन्तर्गत गौतम नगर दलौदा में वार्ड क. 15 में लगभग 150 परीवार निवास करते है और उक्त परीवार वर्ष 1990-91 से उक्त वार्ड में निवास कर रहे है और इसी वार्ड मे 40-50 परीवारो को शासन की योजना इन्दरा आवास योजना के अन्तर्गत के पट्टेजारी किये गए लेकिन वर्तमान मे ड्रोन कैमरे द्वारा सर्वे किया गया जिसमे तार्ड न. 15 को इस सर्वे में नहीं लिया गया। जब वार्ड वासीयो द्वारा मौजा पटवारी से इसका कारण पुछा तो उन्होने बताया कि यह भुमि सिचाई विभाग की होनें से वार्ड वासी पट्टे से वंचित हैं जबकि जल संसाधन विमारा द्वारा पत्र जारी कर उक्त भुनि को ग्राम पंचायत के सुपुर्द किया गया है जिसकी एक कापी तहसील कार्यालय दलौदा, ग्राम पंचायत दलौदा एवं थाना दलौदा को जल संसाधन विभाग द्वारा दी गई थी। वार्डवासियों ने कहा कि उन्होंने वर्ष 1995 का खसरा निकाला और वर्तमान का खसरा भी निकाला जिसमें उक्त भुमि जो कि सर्वे न. 82/2 व 82/1 जिसका पुराना नं. 7/1 व 7/2 है गे किसी भी कॉलम मे राजस्व रिकार्ड मे जल संसाधन की भूमि का कोई उल्लेख नही है। बावजूद इसके वार्डवासी शासकिय कार्यालयो ग्राम पंचायत मौजा पटवारी के कार्यालय के चक्कर काट-काटकर थक गए परंतु इसका कोई निकाल नही हो रहा हैं जबकि वार्ड वासी ग्राम पंचायत के विभिन्न टेक्स भवन कर, जल कर प्रकाश कर सभी दिए जा रहे है और ग्राम पंचायता द्वारा सभी सुविधाएं वार्ड वासीयो को दी गई। वर्तमान मे उक्त वार्ड मे प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निमार्ण कराये गए है। इसलिए उक्त भूमि पर मुख्यमंत्री भू-अधिकार योजना के तहत लाभ दिलाया जाए। श्री सिसोदिया ने वार्ड वासियो को आश्वस्त किया कि वार्ड वासियों को उनका अधिकार मिलेगा इसके लिए प्रयास कर उच्च स्तर पर चर्चा करेंगे।

गुड़भेली बड़ी में पं. भीमाशंकर शास्त्री की भागवत कथा 8 से

पिपलियामंडी, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मालवा अंचल के ख्यातनाम भागवत आचार्य पंडित भीमाशंकर शास्त्री जी के मुखारबिंद से सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन श्री महावीर गौशाला गुड़भेली बड़ी में होने जा रहा है, समिति के सदस्य पंडित राज नागदा ने बताया है कि उक्त आयोजन दिनांक 08 जनवरी से 14 जनवरी 2025 तक होगा, आयोजन का मुख्य उद्धेश्य गौमाता की सेवा के प्रति आमजन को जागरूक करना है भगवान् श्री कृष्ण की सबसे प्रिय गौमाता है श्रीकृष्ण का बाल्यजीवन भी गो-सेवा में बीता इसीलिए उन्हें श्री गोपाल कृष्ण भी कहते है। इसीलिए गुड़भेली ग्राम के सभी वरिष्ठजनों ने भागवत कथा के माध्यम से गौमाता की भक्ति को आमजन तक पहुचाने हेतु उक्त आयोजन की रुपरेखा के लिए गौशाला में बैठक आयोजित कर अंचल के सभी प्रबुद्धजनों के साथ चर्चा की।

राज नागदा ने बताया कि यह आयोजन किसी व्यक्ति विशेष का नहीं है यह आयोजन ग्रामवासियों एवं अंचलवासियों का है उक्त आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर धर्म का लाभ लें एवं गौशाला में गौमाता की सेवा में अपना योगदान दें। उक्त बैठक में महावीर गौशाला समिति के अध्यक्ष बालाराम व्यास, सरपंच भेरुलाल मालवीय, मांगूसिंह सोनगरा, मदनलाल पाटीदार, बाबूलाल पाटीदार, कारुलाल पाटीदार, गजराज सिंह सोनगरा, कृष्णपाल सिंह सोनगरा, नारायण सिंह सोनगरा, उदयराम पाटीदार, महेश पाटीदार, भेरुलाल धनगर, अशोक पाटीदार, सत्यनारायण अग्रवाल, जगदीश श्रीलाल, चौथमल गुप्ता, मनोहर काबरा, गोविन्द पोरवाल, राकेश पाटीदार (गोयल), सुनील जैन, दिनेश बैरागी मुन्देडी , जेपी तेलकार, राजेश फरक्या, राजेश शर्मा, पंडित यशराज व्यास, जशवंत राठौर, धनसुख पाटीदार, विजय गेहलोत, मनोज शुक्ला, गौरव पाटीदार, सुनील पाटीदार, प्रशांत सिंह चौहान, देवीलाल पाटीदार, दिनेश बैरागी, सालेग्राम पाटीदार सहित कई प्रमुखजन मोजूद थे।

बागवानी मिशन का लाभ लेकर गुणवंत पाटीदार बने लखपति

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। खेती को लाभ का धंधा अगर किसी ने बनाया है तो वह है गुणवंत पाटीदार। गुणवंत पाटीदार (6263811951) सीतामऊतहसील के ग्राम गोपालपुर के रहने वाले हैं। इन्होंने उद्यानिकी विभाग की योजना एकीकृत बागवानी मिशन योजना का लाभ उठाया है और योजना का लाभ लेकर उन्होंने 5 बीघा में 555 सीताफल के पौधे लगाए हैं। सीताफल की खेती से ये साल भर में 7 से 8 लाख रुपए कमा रहे हैं।

गुणवंत पाटीदार कहते हैं कि मैं पहले परंपरागत खेती किया करता था, लेकिन उद्यानिकी विभाग के माध्यम से मुझे बागवानी मिशन योजना की जानकारी मिली। जानकारी के पश्चात मैंने सीताफल की खेती करने का मन बनाया। इनको बागवानी मिशन के माध्यम से 40 हजार का अनुदान मिला और उन्होंने एक हेक्टेयर में एनएमके सुपर गोल्ड प्रजाति के सीताफल के पौधे लगाए। इन्होंने एक पौधा 55 रुपए में खरीदा और खेत में लगाया। एक पौधे से इनको 40 से 50 फल प्राप्त होते हैं और एक फल एक किलोग्राम का होता है। यह कहते हैं कि इनका सीताफल 80 रुपए किलो में बिक जाता है। विशेष बात यह है कि, गुणवंत को सीताफल बाहर बेचने की जरूरत नहीं पडती है, घर बैठे ही सारे फल बिक जाते हैं। बाहर के व्यापारी उनके सारे फल खेत से ही खरीद लेते हैं। इनके फलों की डिमांड मध्य प्रदेश के साथ-साथ दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, नेपाल अन्य राज्यों में बहुत रहती है। सीताफल में कीट पतंग के बचाव के लिए यह मिली बग्ग किट का उपयोग करते हैं। साथ ही देसी खाद का प्रयोग करते हैं। ड्रिप सिंचाई से पौधों को पानी देते हैं। जिससे खेती में कम पानी की आवश्यकता होती है और देसी खाद देने से अधिक फलों का उत्पादन होता है।

सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई में मनाई रामानुजन जयंती

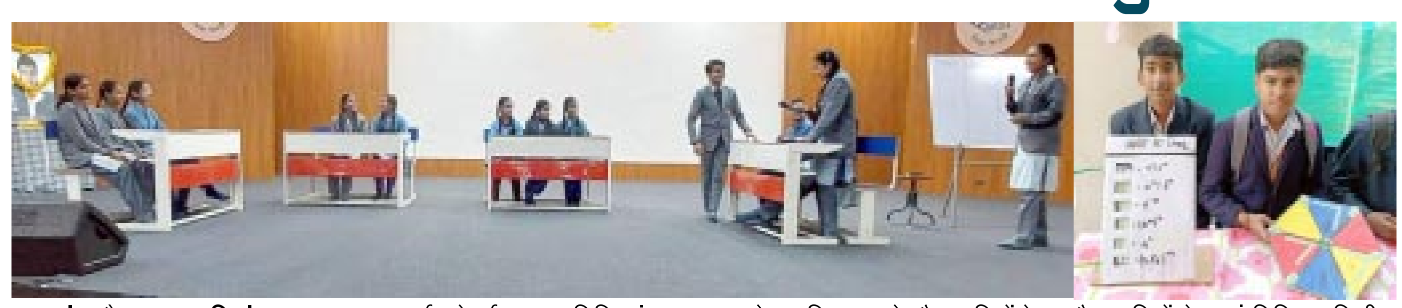

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई संजीत मार्ग मंदसौर में को महान गणितज्ञ श्री श्रीनिवास रामानुजन की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य छात्रों में गणित के प्रति रुचि बढ़ाना और श्री रामानुजन द्वारा गणित के क्षेत्र में विश्व को योगदान से अवगत करवाना और उनके जीवन से भैया बहिनों को प्रेरणा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और रामानुजन जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ दीपक कुमार (सहायक प्रोफेसर Govt. PG कॉलेज मंदसौर) ने अपने संबोधन में रामानुजन के जीवन और उनके गणित को दिए योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रामानुजन जैसे महान व्यक्तित्व हमें यह सिखाते हैं कि यदि हमारे पास ज्ञान के प्रति समर्पण और जिज्ञासा हो, तो हम किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने रामानुजन के जीवन संघर्ष और उनकी गणितीय उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। रामानुजन जयंती का यह आयोजन विद्यालय के भैया बहिनों के लिए प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक रहा। इस अवसर पर संस्थान के प्रबंधक श्री सुनील जी शर्मा,सरस्वती विद्या मंदिर एवं सैनिक स्कूल की प्राचार्या डॉ. श्रीमती सरोज प्रसाद, विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, उपप्राचार्या सुश्री लक्ष्मी राठौड और विद्यालय के सभी आचार्य दीदी एवं भैया बहिन उपस्थित रहे।

रामानुजन जयंती पर केशव नगर विद्यालय मंदसौर में गणित का उत्सव- 22 दिसंबर को श्रीनिवास रामानुजन की जयंती पर सरस्वती विद्या मंदिर केशव नगर मंदसौर ने गणित के प्रति भैया बहिनों में रुचि जगाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में महान गणितज्ञ रामानुजन के जीवन और उनके गणितीय योगदान पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही, विद्यालय में गणित के विभिन्न विषयों से संबंधित मॉडलों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। भैया बहिनों ने स्वयं विभिन्न गणितीय अवधारणाओं को दर्शाने वाले मॉडल तैयार किए। इन मॉडलों में ज्यामिति, बीजगणित, त्रिकोणमिति आदि जैसे विषयों को शामिल किया गया था। विद्यालय के प्राचार्य, श्रीमान संतोष यादव ने इस अवसर पर कहा, श्रामानुजन जैसे महान गणितज्ञों ने भारत को गौरवान्वित किया है। हम चाहते हैं कि हमारे भैया बहन भी गणित के क्षेत्र में आगे बढ़ें और देश का नाम रोशन करें। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान राजपाल सिंह सिसौदिया ने गणित को सरल तरीके से सीखने और उसमें रुचि जागृत करने के कई उपाय बताए। इस कार्यक्रम में भैया बहिनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और गणित के प्रति अपनी रुचि जाहिर की। विद्यालय के आचार्य श्रीमान मनीष जी हलवे, श्रीमान कल्पेश सिंह राठौर, सुश्री तनुश्री पाटीदार एवं समस्त आचार्य दीदियों ने भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अमरावती में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत...

धर्म के नाम पर उत्पीड़न-अत्याचार समझ की कमी के कारण होते हैं

अमरावती, 22 दिसम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को अमरावती में महानुभाव आश्रम के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। इस दौरान संघ प्रमुख ने कहा कि धर्म महत्वपूर्ण है और इसकी शिक्षा ठीक से दी जानी चाहिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म के नाम पर होने वाले सभी उत्पीड़न और अत्याचार गलतफहमी और धर्म की समझ की कमी के कारण होते हैं। धर्म महत्वपूर्ण है और इसकी शिक्षा ठीक से दी जानी चाहिए।

धर्म को समझना बहुत कठिन- मोहन भागवत ने आगे कहा कि धर्म को समझना पड़ता है और धर्म को समझना बहुत कठिन है। मनुष्य समझ नहीं पाता है। जो बहुत ज्ञानी होगा वही समझेगा। वो बातों को बहुत ध्यान से सुनता है और जो अज्ञानी होता है। वो बोलने वाले को ज्ञानी समझता है और इसलिए उसे सुनता है। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें आधा-अधूरा ज्ञान होता है। ऐसे लोगों को लगता है कि मुझे सब मालूम है, जबकि वह उसका अहंकार होता है। दुनिया में धर्म के नाम पर जितना अत्याचार हुआमोहन भागवत ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि धर्म को पूरा समझना पड़ता है, जो पूरा नहीं समझा तो उसे धर्म के आधे ज्ञान के चलते उससे अधर्म होता है। दुनिया में धर्म के नाम पर जितना अत्याचार हुआ है, यह अधूरे ज्ञान के चलते हुआ है। धर्म को समझाने के लिए संप्रदाय की जरूरत होती है, बिना उसके पंथ भी नही चलता है और बाबा ने बताया है कि उसके लिए बुद्धि चाहिए.. जिस पंथ के पास बुद्धि है, उसे हम संप्रदाय बोलते हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में जीएसटी काउंसिल की जैसलमेर में हुई 55वीं बैठक

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार को राजस्थान के जैसलमेर में जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक हुई। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा सहित अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों ने बैठक में भाग लिया। उप मुख्येमंत्री श्री देवड़ा ने बैठक में लाईफ इंश्योरेंस की दरों में परिवर्तन के लिये ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) के गठन का सुझाव दिया, जिसे जीएसटी काउंसिल ने मान लिया है। अब इस पर निर्णय जीओएम द्वारा किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने एटीएफ को जीएसटी में न लाने के संबंध में भी सुझाव दिये। जीएसटी काउंसिल ने आश्वस्त किया कि सुझाव पर गंभीरता से विचार किया जायेगा।

नवांकुर प्रियदर्शन संस्था के द्वारा कलश यात्रा, रात्रि कालीन सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन व जन अभियान परिषद विकासखंड मंदसौर के मंदसौर विधानसभा के 115 ग्राम में पार्वती काली सिंध चंबल लिंक परियोजना के अंतर्गत शिवना बैराज दाब युक्त सूक्ष्म वृहद सिंचाई परियोजना के प्रचार प्रसार हेतु मंदसौर जिला कलेक्टर अदिति गर्ग के निर्देशन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक श्रीमती तृप्ती बैरागी के नेतृत्व में 15 दिसंबर से 25 दिसंबर तक जल महोत्सव मनाया जा रहा है। जन अभियान परिषद से चयनित नवांकुर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था के द्वारा कलश यात्रा, जन चौपाल, रात्रि कालीन सुंदरकांड पाठ चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें प्रियदर्शन सामाजिक संस्था के कार्यक्रम समन्वयक दिनेश सोलंकी, मेंटर्स संदीप शर्मा ने चौपाल में शिवना बैराज सुक्ष्म सिंचाई परियोजना की विस्तृत चर्चा कर ग्रामीण जनों को इस योजना के बारे में बताया इस योजना से ग्रामीण जनों में उत्साह का माहौल देखा गया इसके साथ ही ग्राम नालछा, अघोरिया, सेजपुरिया अलावदाखेडी, बोराखेडी, सेतखेडी, सोनगरी, लालकुवा, खिलचीपुर, जग्गाखेडी, टोडी में भी चौपाल का आयोजन किया गया इस परियोजना की विभिन्न प्रस्फुटन समितियां नालछा, अघोरिया, सेजपुरिया, रिछाबच्चा में भी चौपाल सुंदरकांड भजन मंडली का आयोजन किया गया। इस इस अवसर पर अजय पाटीदार, संदीप शर्मा, निलेश खारवाल, पवन हिरिया, श्यामलाल, सुरेश बैरागी, एवं प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं ग्राम के गणमान्यजन की इसमें उपस्थित रही।

अमित शाह का पुतला दहन किया

गरोठ, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आज मंदसौर जिले के तहसील गरोठ में अमित शाह का पुतला दहन किया गया। अमित शाह ने कुछ दिन पूर्व संविधान निर्माता डॉक्टर बी आर अंबेडकर साहब के उपर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिसमें बहुजन समाज में आक्रोश था और आज गरोठ में भीम आर्मी आजद समाज पार्टी द्वारा प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया जिसमें उपस्थित रहे आजाद समाज पार्टी पूर्व जिला अध्यक्ष मंदसौर प्रिंस सूर्यवंशी, इअञ्ज्ञजिला संयोजक रोहित परिहार , पूर्व विधानसभा अध्यक्ष 227 घनश्याम यादव , प्रकाश गहलोत उपसरपंच दसौरिया ,पूर्व भीम आर्मी जिला सचिव सुनील बामनिया , पूर्व जिला संगठन मंत्री आसपा तूफान सिंह परिहार ,भीम आर्मी जिला मीडिया प्रभारी सुरेश यादव , पूर्व विधानसभा मीडिया प्रभारी 226 समरथ सूर्यवंशी, पूर्व जिला सचिव आसपा कमलेश गहलोत , श्याम दसौरिया, विक्रम बामनिय एवं सभी बाबा साहेब के अनुयायि उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों और स्टूडेंट के लिये मेडिटेशन बहुत जरूरी-डॉ. मुंदड़ा

नीमच, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर जन अभियान परिषद नीमच के सी एम सी एल डी पी स्टूडेंट्स द्वारा रेलवे कॉलोनी स्तिथ ताइक्वांडो प्रशिक्षण सेंटर पर खिलाड़ियों के लिये ध्यान सत्र का आयोजन किया गया जिसमें डॉ पिंकी मून्दड़ा द्वारा स्टूडेंट एव खिलाडियों के लिये विशेष प्रकार की ध्यान की विभिन्न मुद्राओं के बारे में विस्तार से बताया एवं सभी को ध्यान करवाया साथ ही शारिरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने, अपने दैनिक जीवन मे आहार किस प्रकार का लेना चाहिए, पढ़ाई एव खेल में किस प्रकार एकाग्रता लाना चाहिए एव बीमारियों से कैसे बच सकते है, के बारे मे विस्तार से मार्गदर्शन दिया। परामर्शदाता भागवंती कुमरावत द्वारा स्टूडेंट्स जीवन में किस प्रकार से हमें प्रत्येक कार्य चाहे खेल हो या पढ़ाई या घर के कार्य हो, किस प्रकार समय का मैनेजमेंट करना चाहिए के बारे में मार्गदर्शन दिया। आयोजन में ताइक्वांडो प्रशिक्षक जय प्रकाश लोधा, नवांकुर संस्था की श्वेता खत्री, स्टूडेंट्स जय प्रकाश , जाईन खान, संजना ओझा, रुकसार खान सहित खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों ने ध्यान सत्र का लाभ प्राप्त किया।

नवांकुर संस्था ने चौपाल लगाकर गांवों में महिलाओं और पुरुषों को नदी जोड़ों की जानकारी दी

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक एवं शिवना बेराज वृहद सुक्ष्म सिंचाई परियोजना के बारे में प्रचार प्रसार के लिए 22 दिसबंर 2024 रविवार को नवांकुर संस्था बाजखेडी सेक्टर मंदसौर द्वारा ग्राम मिर्जापूरा, गौरखेडी, बुचाखेडी, सोनगिरी, बोहराखेडी आदी गांव में नवांकुर संस्था सचिव मंजू भावसार द्वारा गांवों में महिलाओं और पुरुषों के चौपाल लगाकर जानकारी दी गई। चौपाल कें सहयोगी लाला भाई, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष वरदीचद पंवार मिर्जापुरा, आंगनवाडी कार्यकर्ता और ग्रामीण जनो ने अपना सहयोग प्रदान किया।

प्रसिद्ध संत श्री गौरदास महाराज का आज होगा आगमन, करेंगे श्री भक्तमाल कथा का वाचन

आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण, कलश यात्रा के साथ होगा कथा का शुभारंभ, होगी पुष्पवर्षा

नीमच, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में पहली बार हो रही 7 दिनी श्री भक्तमाल कथा को लेकर तैयारियां पूर्ण हो गई है। कथावाचक वृंदावन धाम के प्रसिद्ध संत श्री गौरदास महाराज का आज सोमवार को ही नीमच आगमन हो रहा हैं वहीं कल मंगलवार को कलश यात्रा के साथ कथा का भव्य शुभारंभ होगा। उक्त आयोजन को लेकर आयोजकों द्वारा वृहद स्तर पर प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। इस कारण शहर के अलावा पूरे जिले में धर्ममय वातावरण निर्मित हो गया है।

श्री अग्रसेन सोश्यल ग्रुप के तत्वावधान में उक्त आयोजन हो रहा है। ग्रुप के अध्यक्ष आशीष मित्तल व सचिव आशीष गर्ग ने बताया कि जिलेवासियों में कथा को लेकर काफी उत्साह है। 24 से 30 दिसंबर तक रोजाना शहर के गोमाबाई रोड स्थित सीएसवी अग्रोहा भवन में दोपहर 12 से 4 बजे तक संत श्री गौरदास जी महाराज विभिन्न प्रसंगों पर भक्तमाल कथा का वाचन करेंगे। कथा से एक दिन पूर्व ही महाराज श्री का सोमवार को ही चित्तौडगढ से कार के काफिलों द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे नगर आगमन हो जाएगा। यहां उनका धूमधाम से स्वागत होगा। संत श्री का नीमच में आवास व विश्राम विकास नगर स्कीम नंबर 14/4 स्थित मकान नंबर 313-314 अनिल गोयल एप्टेक के घर पर रहेगा। यहीं से वे रोजाना आयोजन स्थल पर पधारेंगे। आयोजन को लेकर संपूर्ण तैयारियां पूर्ण हो गई। कथा श्रवण करने शहर व आस पास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु व संतश्री के अनुयायी के आने की संभावना है। इसको देखते हुए आयोजकों द्वारा विभिन्न व्यवस्थाओ के लिए समितियों का गठन कर उनके प्रभारी व सदस्यों को नियुक्त किया और जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कल होगा कलश यात्रा के साथ होगा कथा का शुभारंभ- 7 दिनी श्री भक्तमाल कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ होगा। 24 दिसंबर को सुबह 9.30 बजे घंटाघर के पास स्थित अग्रवाल समाज के नृसिंह मंदिर से बैंड बाजों और ढोल ढमाकों के साथ कलश यात्रा निकलेगी। महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित कलश यात्रा में महिला व युवतियां सिर पर कलश धारण कर निकलेगी। यात्रा में कथा वाचक पं. गौरदासजी महाराज विशेष रूप से बग्गी में सवार होकर चलेंगे और शहरवासियों को आशीर्वाद देंगे। गुरूजी के साथ पवित्र धार्मिक ग्रंथ व उनकी पूरी टीम भी रहेगी। कलश यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर तिलक मार्ग स्थित प्रमुख बाजार क्षेत्र में होते हुए अग्रसेन वाटिका पहुंच कर संपन्न होगी। कलश यात्रा का मुख्य आकर्षण भादवामाता के बटुक होंगे जो रास्ते भर संकीर्तन करते चलेंगे। कलश यात्रा का रास्ते भर विभिन्न संगठनों द्वारा पुष्पा वर्षा कर स्वागत-सम्मान किया जाएगा।

आज मीडिया से रूबरू होंगे संत श्री गौरदास महाराज- वृदांवन धाम के प्रसिद्ध संत गुरूदेव श्री गौरदास महाराज आज नीमच पहुंचने के बाद शाम 5 बजे आयोजन स्थल सीएसवी अग्रोहा भवन पर मीडिया से भी रूबरू होंगे। इसमें गुरूजी उक्त धार्मिक आयोजन के महत्व व आदि के बारे में विस्तार से पत्रकारों को जानकारी देंगे। जिसमें जिले के सभी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक्स और सोश्यल मीडिया के प्रतिनिधि वार्ता में उपस्थित होकर सीधे गुरूदेव से चर्चा कर सकेंगे।

धर्म की नीति पर चले तो जीवन सफल होता है-पंकज कृष्ण महाराज

नीमच, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। हरि नाम का सुमिरन करने से जीवन का कल्याण होता है। हरि इच्छा को हमें स्वीकार करना चाहिए ।यह मनुष्य का कर्तव्य भी है। दु:ख से बड़ी राम नाम की माला है ।परमात्मा का स्मरण करेंगे तो दु:ख आता ही नहीं है। तन मन धन धर्म निति के साथ रहना चाहिए तभी जीवन सफल होता है।यह बात भागवताचार्य पंकज कृष्ण महाराज ने कही ।वे जय जिनेंद्र रिसोर्ट के पीछे गणपति नगर स्थित श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर के परिसर नीमच में आप और हम प्रेमी जन मंडल द्वारा आयोजित शिव पुराण कथा। में बोल रहे थे ।उन्होंने कहा कि मृत्यु शाश्वत सत्य है। संसार में चाहे कितनी धन संपत्ति एकत्र कर ले पाप की कमाई ज्यादा दिन फल नहीं दे सकती है। हम मरेंगे तो परिवार का क्या होगा यह बात दु:ख दुख देती है। हम है तभी परिवार चलेगा हम नहीं होंगे तब भी परिवार चलेगा इसलिए परिवार से प्रेम अवश्य करें लेकिन मर्यादा में रहकर ,सुख संपत्ति वैभव सब प्राप्त हो जाए हम इसीलिए भक्ति पूजा करते हैं चिंतन का

विषय है ।भक्ति के साथ संसार की माया में उलझ रहे हैं जो प्राप्त है उसमें प्रसन्नता नहीं है ।जो प्राप्त नहीं है उसको लेकर हम दु:खी रहते हैं ।यही मनोवृति बन गई है। इसलिए भक्ति भाव करते रहे ।हमारा ध्यान सिर्फ भगवान के नाम की ओर होना चाहिए। तभी हमारे जीवन का कल्याण हो सकता है। संसार में चाहे केसी भी संतान हो मां कभी भी संतान की बुराई नहीं करती है। संतान को सदैव जीवन की उत्कृष्ट और सफलता की राह दिखाती है।नारी का लज्जा संसार में सबसे बड़ा गहना होता है। उसकी रक्षा करना पृथ्वी के प्रत्येक प्राणी का कर्तव्य होता है। महाराज श्री ने गणपति जन्म के विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माता पार्वती ने अपने मेल से एक गण बनाकर उसमें प्राण प्रतिष्ठा की और माता पार्वती स्नान के लिए भीतर चली गई और बाहर सुरक्षा के लिए गण को विराजित कर दिया था तब वहां शंकर भगवान पहुंचे और गण और शिव के बीच युद्ध हुआ और युद्ध में शंकर भगवान ने गण का सर धड से अलग कर दिया तब माता पार्वती ने क्रोध किया और कहा कि मेरे गण को जीवित करना आपका कर्तव्य होगा नहीं तो में पृथ्वी पर विनाश कर दूंगी तब शंकर ने अपने गण को भेजा और कहा कि जो माता अपने बच्चों को पीठ दिखा कर बेठी हो उसे बच्चे का कर लेकर आ जाना तब एक हथिनी अपने बच्चे को पीट दिखा कर बैठी थी। गण उसी हाथी के बच्चे को ले आए और गण को हाथी का सिर लगा दिया था। तभी से गणेश जी प्रथम पूज्य का वरदान मिला था। शिव कथा जगत को पावन करने वाली ज्ञान गंगा है ।अहंकार काम क्रोध मोह टूटने से जीवन में सफलता मिलती है यदि हम सुख में शिव का स्मरण करे तो दु:ख कभी नहीं आता है। धर्म के मार्ग पर चलने वाले का सदैव कल्याण होता है ।मनुष्य जीवन में यदि सफलता प्राप्त करनी है तो निंदा का अपराध करने से बचना चाहिए। शिव का स्मरण करेंगे तो दु:ख कभी आता ही नहीं है। तन मन धन धर्म के साथ रहना चाहिए तभी जीवन सफल होता है ।जिनको संसार ठुकरा देता है उसको शंकर भगवान अपनाते हैं और उसका कल्याण करते हैं करतें हैं। कथा में हरियाली का प्रतीक हरे रंगों के परिधानों पहन बड़ी संख्या में क्षैत्रवासी उपस्थित थे। शिव पुराण कथा पौथी पुजन में कमल जी चौधरी, श्रीकांत समीर, सचिन समीर, राधा पंवार टाटा भुआ सीताबाई नामदेव हेमा कच्छावा, हेमलता, साधना सिंधे यजमान अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

रतलाम में सड़क दुर्घटना में 2 युवकों की मौत के बाद हिंसक प्रदर्शन, पथराव में 12 पुलिसकर्मी घायल

रतलाम, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के बाजना में सड़क दुर्घटना के बाद उपजे तनाव ने उग्र रूप ले लिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिससे 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। बाजना क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है, जबकि व्यापारियों ने घटना के विरोध में रविवार को बाजना बाजार बंद रखा।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत–20 दिसंबर की रात ग्राम छावनी झोड़िया में बाइक और बस की टक्कर में कमल अमलीयार (27) और दीपक खराड़ी (25) की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। शिवगढ़ पुलिस ने बस को जब्त कर शवों को मेडिकल कॉलेज भेजा।

आर्थिक सहायता की मांग को लेकर प्रदर्शन–21 दिसंबर को मृतकों के स्वजन और ग्रामीणों ने बाजना के बस स्टैंड पर शव रखकर प्रदर्शन किया। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा, तत्काल एक-एक लाख की आर्थिक सहायता और बस चालक की गिरफ्तारी की मांग की। मांगें पूरी न होने पर प्रदर्शनकारी उग्र हो गए। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने बाजना थाने पहुंचकर घेराव कर धरना दे दिया था।

पुलिस पर पथराव, हालात बेकाबू–रात करीब डेढ़ बजे प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बल पर पथराव कर दिया, जिसमें एसडीओपी नीलम बघेल, महिला थाना प्रभारी पार्वती गौड़, गेंदलाल मकवाना, शुभम प्रजापत समेत 12 पुलिसकर्मी घायल हुए। हालात को संभालने के लिए पुलिस ने आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया।

पुलिस कार्रवाई और हिरासत–पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण पाने के बाद मृतकों के शवों को कस्टडी में लेकर ग्राम घाटा खेरदा भेजा, जहां सुबह दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान हिंसा और पुलिसकर्मियों पर हमले के आरोप में 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया और 9 आरोपितों को हिरासत में लिया। घटना और भांजगड़ा (समझौता) प्रथा के विरोध में बाजना के व्यापारियों ने रविवार को अपनी दुकानों को बंद रखा। एएसपी राकेश खाखा ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घायलों का इलाज जारी है, जबकि आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास से सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होती है-अटोलिया

नगरी, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास से सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होती हैं पुरस्कार उसी को मिलता है जो सबसे हटकर सृजनात्मक कार्य करता है` उक्त विचार भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने नगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के वार्षिकोत्सव समापन एवं पुरस्कार वितरण के दोरान उपस्थित छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त कियें श्री अटोलिया ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बेटियों एवं बेटों के उच्च अध्ययन में आने वाली आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए कई योजनाएं संचालित की हैं छात्र छात्राओं को सिर्फ पढाई पर ध्यान देकर अपने सपने पुरे करने पर ध्यान देने की समझाइश दीं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में गत वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में जिला स्तर पर उत्कृष्टप्रदर्शन करने वाले एवं वार्षिकोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल रहें छात्र छात्राओं को भी अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किये गऐं प्राचार्य श्रीमती रिता शर्मा ने स्वागत भाषण दिया `इस दोरान नप अध्यक्ष संगीता बग्गड़, सीएमओ धरमचंद जैन, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर अटोलिया, चंद्रशेखर अटोलिया, नानालाल अटोलिया, पूर्व बीईओ प्रेमचंद कुमावत, नप के सभापतिगण पार्षद राकेश रडवाड़िया शिक्षक शंकर चौहान भंवर लाल सालित्र संस्था के समस्त शिक्षकों के साथ ही अभिभावकों की भी उपस्थिति रहीं कार्यक्रम का संचालन अनिल सुथार ने किया एवं आभार वरिष्ठ शिक्षक यशवंत धाकड ने माना।

पुलिया, अमृत सरोवर में भ्रष्टाचार..!

ग्रामीणों ने लगाए कई आरोप, सरपंच की मनमानी, जम कर झाड़ रहा चांदी

मनासा, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) जो केंद्र सरकार की महात्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। मनासा जनपद के ग्राम चपलाना में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। बारिश के दिनों में लगातार फर्जी तरीके से श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। विकास खंड में जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से लाखों रुपये का भुगतान बिना काम कराए ही हो रहा है। मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर रखा था। जिससे लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे थे। लेकिन, इसके बावजूद मनरेगा योजना के तहत मजदूरों की हाजिरी फर्जी तरीके से लगाई जा रही थी। मछली, मेढंक ओर डेंडू के जरिए काम कराया जा रहा था। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पुरानी तस्वीरों का इस्तेमाल कर श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है और कार्य स्थल पर कोई काम नहीं हो रहा है।

शिकायत मिलने पर उच्च अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लिया है। जिससे जिम्मेदारों में हड़कंप मचा हुआ है। मनासा जनपद कि ऐसी कई पंचायतों के इलाकों में सैकड़ों श्रमिकों की हाजरी दर्ज की गई है। जबकि, इन क्षेत्रों में कोई वास्तविक कार्य नहीं हो रहा। ग्रामीणों ने इस फर्जीवाड़े की जांच कराने की मांग की है। मनरेगा परियोजनाओं में तकनीकी सहायक बिना स्थल पर जाए, ऑफिस में बैठे-बैठे ही कार्यों की फाइलें तैयार कर रहे हैं और भुगतान के लिए भेज रहे हैं। इस तरह सरकारी धन का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग हो रहा है। शासन द्वारा हर वर्ष ऑडिट की व्यवस्था की गई है। लेकिन, इसमें भी भ्रष्टाचार हो रहा है। जहां ऑडिट अधिकारी मामूली रिश्वत लेकर मामलों को सही ठहरा देते हैं।

देखना यह है कि इस मामले में कोई कार्रवाई होती है या मनरेगा योजना इसी तरह भ्रष्टाचार का शिकार बनी रहेगी। ग्रामीणों की उम्मीदें अब शासन से हैं कि इस भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। दूसरी ओर ग्राम सड़क योजना में मनरेगा योजना के तहत बड़कुआ से चपलाना तक के रोड बनाया गया। जिसमें भी फर्जी मजदूर, फर्जी मस्टर सरपंच -सचिव की युगल बंदी में पंचायत के सभी कामों में जम कर धांधलियां की गई। जिसमे पंचायत में अमृत सरोवर में खोदे गए तलाई में फर्जी मस्टर फर्जी मजदूर के जरिए भारी बारिश में चलाए गए, जो पूरी तरह फर्जी तरीके से निकले गए। विधायक निधि से आए डोम को बनाया जो आज भी अधूरा है और इसे निजी कर लिया गया, जो सार्वजनिक होना चाहिए। जहां शौचालय को रंग रोगन कर चमकाया गया, परंतु अंदर से पूरी तरह घटियां बनाया गया। जिसमे न तो टाइल्स है न सही तरीके से नल पाइप है। स्वच्छता ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जनपद पंचायत के सदस्य द्वारा जो राशि 8 लाख के करीब नाले पर बनी पुलिया में भी बड़ा घोटाला किया गया। जहा ज्यादा पाइप लगाना था, वहा 4 पाइप लगा कर समापन कर पूरी राशि डकार गए। जिसमे चपलाना से आत्री बुजुर्ग पहुंच मार्ग में आने जाने वाले रहवासियों को बारिश में आना जाना भारी पड रहा है। जिसके पाइप भी सरपंच और सचिव के द्वारा बेच कर अपनी जेब भर ली है। ग्राम चपलाना में जनपद सदस्य जिला पंचायत सदस्य भी इसी गांव से दिए गए है। ऐसे में इतने चारो ओर से पैसौ की चांदी झाड़ रहे है। खर्च की गई राशि का मूल्यांकन करने वाले उपयंत्री क्या सरपंच, सचिव से इसकी वसूली करेगा।

ग्रामीणों ने कहा की ग्राम पंचायत चपलाना में आज तक ग्राम पंचायत की बैठक नही की गई। जिसमे जिम्मेदार सचिव पूरे फर्जी तरीके से बिना पंचायत समिति को शामिल कर खुद कर रहा फर्जी काम। गांव में सरपंच सचिव दोनो मिलकर एक छत्र राज चला कर अपनी मनमानी कर रहे है। दो साल उपर हो गए परंतु आज तक पंचायत में कोई बैठक नही हुई। फर्जी ठहराव प्रस्ताव में लेकर काम कर रहे है। सार्वजनिक डोम शासकीय जमीन पर बनवाया जो अधुरा है।

मनोज राठौर द्वारा बताया गया की जब पुलिया निर्माण किया जा रहा था। तब सरपंच से मेरी बहस हुई पर फिर भी यह पाइप खा गए और सभी रहवासी दुखी है और पानी नहीं निकलता जो सबके सामने है।

इनका कहना...

आप के माध्यम से सूचना मिली है। जिसकी जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

किरण आंजना, डिप्टी कलेक्टर

महाकुंभ के लिए संघ चला रहा एक थाली-एक थैला अभियान

भोपाल, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ में प्रदूषण रोकने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 'एक थाली-एक थैला' अभियान चला रहा है। महाकुंभ में 45 दिनों में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इतने लोगों के भोजन आदि से 40 हजार टन प्लास्टिक कचरा निकलने की आशंका है।

इससे निपटने के लिए संघ ने घर-घर से एकथाली-एकथैला एकत्र करने का अभियान चलाया है। संघ का मानना है कि तीर्थयात्रियों के पास तक एक थाली और थैला पहुंचाया जाएगा तो कचरे को कम किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ क्षेत्र से यह सामग्री एकत्र कर उत्तर प्रदेश को भेजी जाएगी। स्वयंसेवकों से यह भी कहा गया है कि थैले में संघ के नाम का उल्लेख न करें।

एमपी-छत्तीसगढ़ में अभियान तेज गति पकड़ चुका है–प्रयागराज महाकुंभ को हरित कुंभ प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 'एक थाली-एक थैला' आरंभ किया है ताकि ही घर से सहयोग लेकर पवित्र नगरी प्रयागराज को स्वच्छ और कचरा मुक्त रखा जा सके। संघ के मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ क्षेत्र के सभी प्रांतों में यह अभियान तेज गति पकड़ चुका है।

प्लास्टिक मुक्त समाज का अभियान–कई प्रांतों से सामग्री एकत्र कर प्रयागराज के लिए रवाना भी की जा चुकी है। गौरतलब है कि संघ पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत प्लास्टिक मुक्त समाज का अभियान चला रहा है। इसी के तहत संघ का प्रयास है कि प्रयागराज महाकुंभ में भी प्लास्टिक का कम से कम उपयोग हो। लोग भोजन-प्रसादी या पानी पीने के लिए पारंपरिक रीति अपनाएं और प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें।

पंच परिवर्तन के दो प्रमुख विषय पर्यावरण और स्वदेशी–राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुका है। संघ पंच परिवर्तन के विषयों को लेकर काम कर रहा है। इनमें से पर्यावरण और स्वदेशी दो प्रमुख विषय हैं। इन्हीं विषयों को ध्यान में रखते हुए संघ जनवरी 2025 प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ कचरा मुक्त बनाने के लिए एक थाली एक थैला अभियान चला रहा है। इसमें संघ के सभी अनुषांगिक संगठन, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी सहभागिता कर रहे हैं। संघ का उद्देश्य है किजनवरी 2025 में महाकुंभ का आयोजन होने से पहले उचित संख्या में थाली और थैले कुंभ क्षेत्र में पहुंच जाएं ताकि वहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं में इनका निश्शुल्क वितरण आरंभ हो जाए। एक थाली एक थैला अभियान चलाने के पीछे संघ की सोच है कि श्रद्धालुओं को डिस्पोजल बर्तनों में भोजन नहीं करना पड़े।

नीमच में शराब पकड़ने गई टीम पर हमला..!

150 से ज्यादा लोगों ने दौड़ाया, बदले में पुलिस ने 15 से ज्यादा भट्टी तोड़ी

नीमच, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कच्ची शराब बनाने वालों के ठिकानों पर दबिश के दौरान पुलिस व आबकारी विभाग टीम पर 150 से ज्यादा महिला-पुरुषों ने हमला कर दिया। कार्रवाई के दौरान महिलाओं तथा बच्चों ने लगातार टीम पर पत्थर बरसाए। इससे मौके पर भगदड़ मच गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि पुलिस पथराव की घटना से इनकार कर रही है, जबकि वीडियो में पूरा घटनाक्रम दिख रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस, आबकारी तथा शराब बनाने वालों के बीच कई बार झड़प हुई हैं। बावजूद इसके टीमों ने मौके से सुलग रही 15 से ज्यादा शराब बनाने वाली भट्टियों को तोड़ दिया। इसके अलावा 1500 लीटर लहान नष्ट किया। जानकारी अनुसार जिले की मनासा तहसील के गांव बरडिया में शुक्रवार देर शाम बांछड़ा बस्ती में आबकारी विभाग तथा पुलिस टीम के साथ रेड पार्टी दबिश देने पहुंची थी। इस दौरान टीम को मौके पर 15 से ज्यादा शराब बनाने वाली कच्ची भट्टियां सुलगती हुई मिली। इसके अलावा अलग-अलग स्थानों पर बड़ी मात्रा में महुआ लहान मिला। टीम के सदस्यों ने जैसे ही भट्टी तोड़ी। वैसे ही शराब बनाने वाले महिला-पुरुष गांव व घरों से निकलकर बीहड़ व जंगलों की पहुंचे और टीम के सदस्यों पर पत्थर फेंकना शुरु कर दिए। कुछ लोगों ने गुलेल से भी टीम पर हमला किया। ऐसे में टीम के सदस्य बचाव के लिए महिला व पुरुषो के झुंड की ओर भागे तो मौके पर भगदड़ मच गई। करीब 2 घंटे तक शराब बनाने वालों तथा पुलिस में झड़प हुई।

यहां मिली भट्टियां–बरडिया गांव के आसपास के अलग-अलग इलाकों में कच्ची शराब बनाने के लिए भट्टियां सुलग रही थी। सूचना के बाद पुलिस व आबकारी की टीम दबिश देने पहुंची। इस दौरान बरडिया के आसपास के खेत-खलिहानों में शराब बनाने का काम चल रहा था। कार्रवाई के दौरान 15 ज्यादा भट्टियों को टीम ने तोड़ दिया। इसी तरह अलग-अलग जगह से मिले कुल 1500 लीटर महुआ लहान को नष्ट किया।

ध्यान से मानसिक तनाव कम होता है-कुमावत

नंदावता, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय उ मा विद्यालय नंदावता मे विश्व ध्यान दिवस का आयोजन हुआ इस अवसर पर वरिष्ठ अध्यापक रामरतन कुमावत ने छात्र छात्राओ को ध्यान के लाभ बताते हुए कहा की ध्यान से मन एकाग्र, शरीर मे स्फूर्ती का संचार होता है तथा मानसिक तनाव कम होता है। हमे नित्य कम से कम पांच मिनिट ध्यान अवश्य करना चाहिए। प्राचार्य वजेराम बामनिया, शम्भू सिंह खरवर, कैलाश पाटीदार ने भी अपने विचार रखे। छात्र छात्राओ ने प्राणायाम का प्रदर्शन किया इस अवसर पर विद्यालय स्टॉफ के मनोहर झावा, कंवर लाल प्रजापत, गायत्री प्रसाद शर्मा, पिंकी कुमावत, प्रेरणा उपाध्याय, रानू सेन पूजा शर्मा, प्रीति पाटीदार, पूजा मालवीय, आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन चन्द्र शेखर हलकारा ने किया आभार दुर्गालाल सेन ने माना।

स्वअनुशासन का पालन करते हुए हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास करें विद्यार्थी-विधायक

नगरी, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव आयोजन के पांचवें दिन छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं देशभक्ति, धार्मिक भजनों के साथ ही राजस्थानी गीतों पर छात्र छात्राओं ने आकर्षक वेषभूषा में जोरदार प्रस्तुतियां दीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में क्षेत्रीय विधायक विपिन जैन उपस्थित रहें। विधायक श्री जैन ने विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कियों जीवन में अनुशासन अपनाते हुए आगामी बोर्ड परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों एवं नियमित कक्षा उपस्थिति वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार के रूप में विधानसभा भ्रमण पर ले जाने की बात कहीं परीक्षाओं पर विशेष ध्यान देते हुए मोबाइल का कम से कम प्रयोग करने की समझाइश दीं कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि घनश्याम बग्गड़, उपाध्यक्ष घनश्याम अटोलिया, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र अटोलिया एवं श्याम सुंदर अटोलिया भी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था प्राचार्य श्रीमती रिता शर्मा ने स्वागत उदबोधन देते हुए विद्यालय की गतिविधियों एवं शैक्षणिक प्रगति के बारे में बताया। सांस्कृतिक महोत्सव में विद्यालय के स्टाफ सदस्य यशवंत कुमार धाकड़ अनिल कुमार सुथार कमलेश धाकड़ शंकर सिंह चौहान मनीष पोरवाल भंवरलाल सागित्रा, अर्चना जैन, हर्षाली कुमावत मोहनलाल डोहरा, रिलीफ पछोलिया, माया धामनोदिया सहित अन्य अतिथि शिक्षक भी मौजूद रहे।

कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट कल से, तैयरियां पूर्ण

मंदसौर, 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 22 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी और खेलप्रेमी स्वर्गीय विनोद जी गर्ग द्वारा शुरू किया गया कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट चंबल फुटबॉल क्लब द्वारा 24 दिसंबर से आयोजित किया जाएगा।

क्लब सचिव श्री ईश्वर सिंह चौहान ने बताया कि यह टूर्नामेंट दिवंगत फुटबॉल खिलाड़ियों स्वर्गीय जितेंद्र सिंह मसराम और स्वर्गीय गौरव गिरवाल की स्मृति में आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी यह आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पूरे भारत से 12 फुटबॉल टीमें हिस्सा लेंगी। श्री चौहान ने यह भी जानकारी दी कि इस आयोजन के लिए कॉलेज ग्राउंड पर रोलिंग, पानी का छिड़काव, सुरक्षा जाली लगाना, दर्शक दीर्घा बनाना, टीमों के ठहराव, भोजन संबंधित आदि सभी कार्य लगभग पूरे कर लिए गए है। आयोजन के लिए अंतिम दौर की तैयारियों का जायज़ा लेने के लिए रविवार को मैदान पर क्लब के सभी पदाधिकारी मौजूद थे और बारीकी से मैदान संबंधी तैयारियों को देखा और तकनीकी टीम को आवश्यक सुझाव दिए। क्लब पदाधिकारियों में अध्यक्ष श्री भानुप्रताप सिंह सिसौदिया, जनभागीदारी अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, सचिव ईश्वर सिंह चौहान, टूर्नामेंट संयोजक विपिन शर्मा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह, कमल कंडारे, मनीष गुर्जर, अक्षय उपाध्याय, दीपक शर्मा, अंशुल शर्मा, मुजम्मिल काजी, दक्ष गौड़, अजहरुद्दीन हुसैन, राहुल नागौरे आदि सदस्य उपस्थित थे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग मंदसौर (म.प्र.)

E-mail-eepwdmandsaur0@gmail.com Ph-07422-255211

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 11/2024-25/एसएसी/ मंदसौर दिनांक 19.12.2024

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखीत कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर रिफरेन्स क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में
1	2	3	4	5	6	7
1	2024_PWDRB_389590_1	मंदसौर	Renewal	बोलिया जैन दिवाकर मार्ग, अंकाली शिवदास से नरिया जंक्शन मार्ग, अंकाली दीवान पहुंच मार्ग, गरोठ मेलखेड़ा रणायरा पहुंच मार्ग, खजूरीपंथ से नलखेडा सेमली दीवान मार्ग, खजूरीपंथ से कालाखेड़ा सुरखेड़ा पहुंच मार्ग, देथली बुजुर्ग घलमुमगरा चाचावदा मार्ग, लसुड़िया से खेरखेड़ा मोलाखेड़ी मिसिंग लिंक मार्ग, हनुमंतिया से गरोठ रेलवे स्टेशन मार्ग, बोलिया गरोठ किमी 5/2 से रावटी नई आबादी मार्ग, भानपुरा बायपास मार्ग कुल लंबाई 38.07 किमी में डामरीकरण का नवीनीकरण कार्य।	First	रु.385.10
	Total					रु.385.10

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (mptenders.gov.in) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 30.12.2024 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

(EMD only RTGS/NEFT)

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग, मंदसौर

G-20638/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

चलो प्रयाग राज महाकुंभ

10 जनवरी श्री महादेव तीर्थ यात्रा मंदसौर द्वारा किराया मात्र 8501/- स्लीपर बस द्वारा

****** संपर्क करें ******

महेश परमार 7470433491, 9575987517

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1760/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक-20.12.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संदीप जैन पिता अभयकुमार जैन निवासी 8/ए दशहरा मैदान, उज्जैन, जिला उज्जैन द्वारा केशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 07.11.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 1548/खनिज/2024 मंदसौर दिनांक 11.11.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 09.01.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	सीतामऊ	मानपुरा	81	1.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 09.01.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-20668/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in